साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 04 | गोंदिया : गुरुवार, 2 से 8 सितम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

ऊर्जा मंत्री का गोंदिया जिला दौरा मात्र दिखावा

जिले के उपभोक्ताओं की समस्या जस की तस, नहीं मिली राहत

महावितरण की तानाशाही कार्यप्रणाली जारी

बुलद गोंदिया - महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत का गत सप्ताह गोंदिया जिले का दौरा आयोजित हुआ था। लेकिन उपरोक्त दौरा सिर्फ लोकार्पण व समीक्षा सभा तक ही सीमित रहा। जिसमें जिले के उपभोक्ताओं की समस्या का हल नहीं निकला। जिससे विद्युत उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की राहत ऊर्जा मंत्री के दौरे के दौरान नहीं मिली। जिससे यह दौरा मात्र खानापूर्ति ही साबित हुआ है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के विद्युत उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्या गंभीर रुप ले चुकी है। जिस संदर्भ में आए दिन उपभोक्ताओं द्वारा महावितरण में शिकायत किए जाने के बावजूद समस्याओं का निवारण नहीं हो पाता है। गत सप्ताह महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत का गोंदिया जिले में आयोजित दौरे के दौरान उपभोक्ताओं को काफी उम्मीद थी कि ऊर्जा मंत्री के जिले के दौरे में उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं का निवारण मंत्री महोदय द्वारा गंभीरता से लेते हुए किया जाएगा। जिसमें लॉकडाउन के दौरान विद्युत बिलों में कुछ राहत अथवा बिलों को किस्तों में भरने की सुविधा प्राप्त होंगी। विद्युत बिलों की अनाप-शनाप बढ़ोतरी, जिसमें विभिन्न प्रकार का अधिभार जोड़कर विद्युत उपभोक्ताओं की कमर टूट चुकी है। साथ ही विद्युत संबंधित अनेक समस्या, जिसमें आए दिन कटौती होना, बिना किसी पूर्व सूचना के विद्युत आपूर्ति खंडित होना, विद्युत खंडित होने पर महावितरण के कार्यालय के फोन पर कम्प्लेन लिखवाने के लिए फोन किए जाने पर फोन बंद होना, संबंधित अधिकारियों के मोबाइल स्विचऑफ होना जैसी गंभीर समस्या जिले के हजारों विद्युत उपभोक्ताओं को उठानी पड़ती है। इसके साथ

ही किसानों के कृषि विद्युत पंप के हजारों आवेदन अब तक प्रलंबित हैं। जिससे उन्हें समय पर कनेक्शन उपलब्ध नहीं होने से कृषि कार्य में खेती के लिए लगने वाले पानी के लिए विद्युत मोटर पंप शुरु नहीं हो पा रहा।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जिले में बारिश का प्रमाण कम होने से किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए पानी की आवश्यकता है। लेकिन हजारों आवेदनों पर महावितरण द्वारा अब तक निर्णय न लेते हुए कनेक्शन नहीं जोड़ा गया। जिससे उन किसानों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है।

बिल अनाप-शनाप, सुविधा नाममात्र

देश में सबसे महंगी बिजली की दर महाराष्ट्र में होने के बावजूद उस पर विभिन्न तरह तरह के अधिभार जोड़कर उपभोक्ताओं से अनाप-शनाप विद्युत बिल की वसूली की जाती है। लेकिन उस हिसाब से उपभोक्ताओं को सुविधाएं विद्युत महावितरण कंपनी द्वारा नहीं दी जा रही है।

सबसे अधिक बिजली उत्पाद राज्य में

देश में सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन वाला प्रदेश महाराष्ट्र है, जहां कोयले आधारित इकाइयों की क्षमता २५,३८६ मेगावाट है। महाराष्ट्र द्वारा अनेक प्रदेशों को बिजली बेची जाती है। सबसे ज्यादा बिजली का उत्पादन करने के बाद भी यहां के उपभोक्ता को लुटा जा रहा है। देश में बिजली की दर सारे देश में सबसे अधिक महाराष्ट्र में ही है।

महावितरण की तानाशाही पूर्ण वसूली

कोरोना संक्रमण काल के चलते गत २ वर्षों से सभी व्यवसाय ठप हो चुके हैं। हालांकि सरकार द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं को सुनहरे सपने दिखाए गए थे कि विद्युत बिलों में लॉकडाउन के दौरान के बिलों में छूट दी जाएगी। लेकिन छूट मिलना तो दूर महावितरण द्वारा इस दौरान के विद्युत बिलों की वसूली तानाशाही पूर्ण तरीके से की जा रही है। मामूली विद्युत बिल भी बकाया होने पर भारी दल-बल के साथ पहुंचकर विद्युत खंडित करने या काटने की कार्यवाही की जा रही है। जिससे उपभोक्ता काफी विषम स्थिति में पहुंच चुका है।

सवालों से बचने नहीं ली पत्र परिषद

जिले के दौरे पर राज्य के किसी भी मंत्री के आगमन पर जिले के कार्य संबंधित जानकारी देने के लिए मंत्री द्वारा पत्र परिषद आयोजित की जाती है। जिसमें वे अपने विभाग संबंधित जिले के विकास के कार्यों की जानकारी देने के साथ ही नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को पत्रकारों के माध्यम से जानकर उसका निवारण करने का कार्य करते हैं। लेकिन ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत द्वारा जिले के विद्युत उपभोक्ता के गंभीर सवालों से बचने के लिए पत्रकार परिषद आयोजित नहीं की गयी। उन्हें पता था कि विद्युत संबंधित तीखे सवालों का सामना उन्हें करना होगा, जिसका जवाब मंत्री महोदय के पास नहीं था।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

ग्राम बोंडगाव देवी के डॉ.शामकांत नेवारे का कार्यकर्ताओ के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश

गोंदिया – सांसद प्रफुल पटेल के निवास स्थान पर बोंडगाव देवी ग्राम से अनेक कार्यकर्ताओं ने सांसद पटेल के नेतृत्व पर विश्वास रखकर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। सांसद पटेल ने पुष्पगुच्छ व पक्ष का दुप्पटा पहनाकर डॉ. शामकांत नेवारे सहित सभी प्रवेशितों का पक्ष में स्वागत किया। राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष प्रवेश में डॉ. शामकांत नेवारे, एड. श्रीकांत वनपुरकर, अमरचंद ठवरे, सौ. प्रतिमा बोरकर, सौ. निराशा मेश्राम, सौ. माया मेश्राम, सौ. दीपिका गजभिये, सौ. योगिता मेश्राम, आनंदराव सोनवाने, शिवकुमार मेश्राम, धर्मेंद्र मेश्राम, राजकुमार गजभिये, रामदास लांजेवार, राजेंद्र मेश्राम, पुरुषोत्तम मेश्राम, विजय मानकर, गरीब लांजेवार, संजय गिरीपुंजे, उमेश उइके, केशव मेश्राम, शोभलाल नेवारे, दीपक विश्वेश्वर, जयपाल सहारे व अन्य असंख्य कार्यकर्ताओं ने पक्ष प्रवेश किया। इस अवसर पर पालकमंत्री नवाब मालिक, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष विजय शिवणकर, नरेश माहेश्वरी, देवेंद्रनाथ चौबे व अन्य उपस्थित थे।

शासन ने नहीं ली सुध तो युवकों ने कर डाली सड़क की मरम्मत

स्कूल के शिक्षक व छात्रों ने भी बटाया श्रमदान का हाथ

प्रतिनिधि गोरेगांव – गोंदिया-गोरेगांव तहसील के पिंडकेपार सड़क पर इतने जानलेवा गड्ढे निर्माण हो गए थे कि यह सड़क पैदल चलने लायक तक नहीं थी। कई बार प्रशासन से सड़क की मरम्मत करने की मांग की गई। लेकिन प्रशासन ने सुध नहीं ली। आखिर २९ अगस्त को ग्राम के युवक एकत्रित होकर १ किमी तक के जानलेवा गड्ढों को बुझाकर चलने लायक सड़क बना दी है। वहीं जिला परिषद व विकास हाईस्कूल के विद्यार्थियों ने भी श्रमदान कर सड़क पर मुरुम, गिट्टी बिछाते हुए मदद का हाथ बढ़ाया। बता दें कि गोरेगांव मुख्यालय को पिंडकेपार से जोड़ने के लिए १० वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत डामरीकरण सड़क निर्माण की गई।

लेकिन इस सड़क पर पग-पग पर इतने जानलेवा गहरे गड्ढे निर्माण हो गए कि चौपहिया वाहन गुजरना बंद हो गए। बारिश में गड्ढे अधिक गहरे हो जाने से पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा था। इसी सड़क से जिला परिषद स्कूल, विकास हाईस्कूल के विद्यार्थी जान को जोखिम में डालकर शिक्षा का पाठ पढ़ने जाते हैं। सबसे अधिक दिक्कतों का सामना एंबुलेंस से भर्ती होने जा रही गर्भवती महिलाएं तथा अन्य बीमारियों के मरीजों को करना पड़ता था। कई बार प्रशासन से सड़क मरम्मत करने की मांग की गई। किंतु इस ओर अनदेखी किए जाने के कारण ग्राम के युवा शक्ति मंच, जिप स्कूल व विकास हाईस्कूल तथा ग्राम के नागरिकों ने २९ अगस्त को सड़क के गड्ढे बुझाकर चलने लायक सड़क बना दी। गड्ढे बुझाने के लिए लगनेवाली सामग्री क्षेत्र के समाजसेवी बबलु बिसेन ने उपलब्ध कराकर मदद का हाथ बढ़ाया। सड़क की मरम्मत कराने सरपंच, पूर्व सरपंच, विमुस अध्यक्ष, जिप स्कूल के शिक्षक, विकास हाईस्कूल के मुख्याध्यापक, किसान तथा युवा शक्ति मंच के युवाओं ने हिस्सा लिया।

डॉ.धकाते जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित

गोंदिया – स्वास्थ्य विभाग नागपुर के सहायक संचालक तथा गोंदिया जिले के पूर्व जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रविशेखर धकाते को अधिकारी कर्मचारी समन्वय समिति गोंदिया जिले के माध्यम से जीवन गौरव पुरस्कार जिलाधिकारी नयना गुंडे व नगराध्यक्ष अशोक इंगले के हस्ते देकर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि सामान्य जनता के स्वास्थ्य के लिए निरंतर प्रयास कर सामाजिक कार्य में निरंतर कार्य करते हुए अपने उल्लेखनीय सेवा प्रदान की डॉ. रवि धकाते ने सामाजिक कार्य में विशेष कार्य करते हुए सामान्य जनता को स्वास्थ्य विभाग की सभी सुविधा प्राप्त हो इसके लिए गत २५ वर्षों से अधिक समय अवधि के दौरान विभिन्न स्तर पर कार्य कर रहे हैं। सामाजिक कार्य सिर्फ अनुकंपा पर नहीं किया जा सकता तथा उसके लिए निरंतर कार्य कर दृढ़ विश्वास से कार्य करना होता है तथा भविष्य को देखते हुए उसका नियोजन होना आवश्यक है। इन सभी बातों में डॉ. धकाते निरंतर सजग रहकर जुझारु रुप से कार्य कर रहे हैं। शासकीय स्तर पर सामान्य जनता के स्वास्थ्य योजना की विभिन्न योजनाएं चलाए जाने सदा उन सभी योजनाओं को अपनी कार्यकुशलता से सफलतापूर्वक यशस्वी करने तथा जनता के संदर्भ में सजग रहकर कार्य कर रहे हैं।

उनके इस उल्लेखनीय कार्य के चलते उन्हें जीवन गौरव पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर उपवन संरक्षक कुलराज सिंह, जलसंधारण अधिकारी अनंत जगताप, अधिकारी व कर्मचारी समन्वय समिति के संस्थापक अध्यक्ष अनिल देशमुख, समन्वय समिति के दुलीचंद बुद्धे, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी विजय चौहान, उपविभागीय अभियंता संजय कटरे, अध्यक्ष अधिकारी कर्मचारी समन्वय समिति के डी.यु. रहांगडाले तथा अन्य मान्यवर अतिथि उपस्थित थे।

गोंदिया जिले की विद्युत आपूर्ति की गुणवत्त बढ़ाएं - ऊर्जा मंत्री डॉ. नितिन राऊत

गोंदिया – महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री डॉ. नितिन राऊत २८ अगस्त को गोंदिया जिले के दौरे पर आगमन के अवसर पर विद्युत विभाग की समीक्षा सभा एनएमडी कॉलेज सभागृह में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में कृषि के साथ औद्योगिक क्षेत्रों का विकास होना आवश्यक है। बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त हो इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग लगाए जाना आवश्यक है। उद्योगों के लिए विद्युत आवश्यक है, साथ ही जिले के नागरिकों को विद्युत आपूर्ति के संदर्भ में अनेक समस्या सामने आयी है। जिसके चलते गोंदिया जिले की विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता बढ़ाने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने कहा कि कृषि पंप कनेक्शन जोड़ने के लिए २०२० के अंतर्गत आवेदकों के कृषि पंप की विद्युत जोड़ने के प्रकरण प्रलंबित न रख, तत्काल उसका हल किया जाए। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जीवन प्रकाश योजना का लाभार्थियों को लाभ दिया जाए। जिसका योग्य नियोजन कर जिले के ग्राहकों को अबाधित विद्युत आपूर्ति किस प्रकार दी जाती है, इस पर ध्यान केंद्रित करें। भंडारा जैसी विद्युत शार्टसर्किट की घटना की पुनरावृत्ति गोंदिया जिले में न हो, इसके लिए सभी शासकीय कार्यालयों का फायर ऑडीट जल्द से जल्द होना चाहिए।

इस अवसर पर विधायक सहेसराम कोरोटे ने कहा कि ककोड़ी में विद्युत वितरण का सबस्टेशन तैयार किया जाए। जिसके चलते क्षेत्र के नागरिकों की विद्युत आपूर्ति की समस्या दूर होने में सहायता होंगी। इसके लिए आदिवासी विकास मंत्रालय द्वारा निधि उपलब्ध करवाई जाए। इस प्रकार की

मांग मंत्री महोदय से की। महावितरण विभाग के कर्मचारी ग्राहकों की समस्याओं का निवारण न कर अनाप-शनाप जवाब देते हैं, इस संदर्भ में संबंधितों पर योग्य कार्यवाही किए जाने की मांग की।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए अधीक्षक अभियंता सम्राट वाघमारे ने जानकारी दी कि विद्युत विभाग के माध्यम से गोंदिया जिले में चलाई जाने वाली एकात्मिक ऊर्जा विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, पूर्व विदर्भ योजना, कृषि पंप उच्चदाब वितरण प्रणाली योजना, मुख्यमंत्री सौर कृषि पंप योजना, कृषि पंप विद्युत अधिनियम २०२० मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना आदि के संदर्भ में संगणित प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दी। गोंदिया जिले की आठ तहसीलों में ५५६ ग्राम पंचायत तथा ९५४ ग्राम हैं। महावितरण मंडल के अंतर्गत २ विभाग, ९ उपविभाग, ३३ शाखा तथा ८०१ कर्मचारी कार्यरत है। जिले के अंतर्गत ४६ उपकेंद्र जिसकी क्षमता ४२३.१५ एमवीए है तथा उच्चदाब लाइन ४५१४.९७ किमी तथा लघुदाब ९२०४.६७ किमी है। ८१८० वितरण रोहित्रे संख्या तथा जिले में वर्तमान स्थिति में २६४८३१ घरेलू, १३३४९ व्यवसायिक, २९५१ औद्योगिक, ३७६६६ कृषि तथा उच्चदाब के ७९ उपभोक्ता हैं। यह जानकारी समीक्षा सभा में दी गई।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर विधायक सहेसराम कोरोटे, महावितरण के प्रादेशिक संचालक सुहास रंगारी, मुख्य अभियंता गोंदिया वासनिक, अधीक्षक अभियंता गोंदिया सम्राट वाघमारे, अधीक्षक अभियंता भंडारा राजेश नाईक, कार्यकारी अभियंता वानखेड़े, कार्यकारी अभियंता देवरी फुलझेले, महापारेशन अधीक्षक अभियंता अने, गोंदिया विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता आनंद जैन, गोंदिया महावितरण जनसंपर्क अधिकारी अविनाश साखरे प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

भूमिगत लघु विद्युत लाईन का लोकार्पण

गोंदिया शहर के मनोहरभाई कॉलोनी में २८ अगस्त को ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत के हस्ते भूमिगत लघु ताप विद्युत लाईन का लोकार्पण किया गया है। यह भूमिगत विद्युत लाईन ४ किलोमीटर तक रहेंगी। जिसका लाभ परिसर के उपभोक्ताओं को होगा। साथ ही भविष्य में संपूर्ण गोंदिया शहर में भूमिगत विद्युत लाईन का निर्माण किया जाएगा।

संपादकिय

तीसरी लहर !

कोरोना के मामले घट कर अब कम हो चले हैं। उपचाराधीन मामलों में भी घटोतरी है। १३ अगस्त को ३८७६७३ उपचाराधीन मरीज थे, जो २२ अगस्त तक घट कर ३३३९२४ तक आ गए थे। इन १० दिनों का यह रुझान इस बात का संकेत है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम जल्दी ही संक्रमण के खतरे से बाहर आ सकते हैं। लेकिन मुश्किल यह है कि जब प्रतिदिन के आंकड़ों में उतार-चढ़ाव होता है तो लगता है कि खतरा अभी टला नहीं है।

ऐसे में हम कह सकते हैं कि महामारी अभी गई नहीं, सिर्फ तीव्रता में कमी आई है। इसी महीने रोजाना संक्रमण आंकड़ा ३० हजार के ऊपर भी निकल चुका है। ऐसा इसलिए भी है कि केरल जैसे कुछ राज्यों में स्थिति बेकाबू तो नहीं है, पर खतरे से बाहर भी नहीं कही जा सकती। इसलिए कोरोना को लेकर अभी भी सतर्कता की बेहद जरुरत है। दरअसल कामधंधों की चिंता में देश के ज्यादातर हिस्सों में जनजीवन सामान्य करना पड़ा है। दफ्तरों से लेकर स्कूल-कालेज, बाजार, सिनेमाघर, जिम, तरणताल सब खोलने पड़े हैं। इसलिए अब अतिरिक्त सावधानी के साथ ही बढ़ने पर जोर होना चाहिए।

अब आगे का सवाल यह है कि तीसरी लहर का खतरा कितना है, और तीसरी लहर आएगी भी या नहीं? हालांकि तीसरी लहर को लेकर विशेषज्ञ तो बार-बार चेता ही रहे हैं। मसलन हाल ही में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन की एक समिति ने भी तीसरी लहर को लेकर चेतावनी जारी की है। समिति का मानना है कि सितंबर-अक्टूबर के बीच तीसरी लहर का अंदेशा है। इस दौरान संक्रमण के रोजाना मामले ३ लाख से भी ऊपर निकल सकते हैं। यह खतरा इस पर भी निर्भर करेगा कि विषाणु का कौनसा और कितना खतरनाक स्वरुप लोगों को अपना शिकार बनाता है। गौरतलब है कि दूसरी लहर में डेल्टा स्वरुप ने कहर बरपाया।

मुश्किल तो अब यह है कि हाल में संक्रमण के मामलों में तेजी उन राज्यों में देखने को मिली है जहां मई में दूसरी लहर के दौरान संक्रमण बुहत ज्यादा नहीं फैला था। अब इस वक्त सबसे ज्यादा संकट केरल में हैं, जहां रोजाना संक्रमण के मामले देश में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। दूसरे नबंर पर महाराष्ट्र है। जबकि कोरोना से मौतों के मामले में महाराष्ट्र पहले नबंर पर और केरल दूसरे पर है। पूर्वोत्तर की ओर देखें तो मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के आंकड़े भी कम चिंता पैदा करने वाले नहीं हैं। इसलिए विशेषज्ञों का अनुमान कह रहा है कि तीसरी लहर का खतरा वहां ज्यादा है जहां पहले कोरोना के डेल्टा रुप ने कहर नहीं ढहाया। यही खतरा अब बड़ी चुनौती बन कर सामने है।

भूलना नहीं चाहिए कि हम महामारी की दो लहरें झेल चुके हैं। दूसरी लहर में संक्रमण और मौतों के आंकड़े ने भारत को दुनिया के पहले दो देशों में खड़ा कर दिया था। इसलिए अगर तीसरी लहर में हालात बेकाबू होते हैं तो यह कह कर नहीं बचा सकेगा कि हमें हालात से निपटने का अंदाजा नहीं था। बेशक पहली लहर के वक्त हमें कुछ पता नहीं था, पर दूसरी लहर ने हमें काफी कुछ सिखाया। तीसरी लहर से निपटने के लिए ज्यादातर राज्य अब अस्पतालों में बिस्तरों, चिकित्साकर्मियों से लेकर ऑक्सीजन का बंदोबस्त करने का दावा कर रहे हैं। दुखद तो यह है कि तमाम दावों के बावजूद टीकाकरण में हम बहुत पीछे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि टीका उत्पादन में कमी और कुप्रबंधन बड़े कारण बने हुए हैं। जबकि तीसरी लहर को रोकने का यही एक बड़ा जरिया है।

रक्षाबंधन

गतांक से आगे...

पौराणिक प्रसंग

राखी का त्योहार कब शुरु हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुद्ध हुआ तब दानव हावी होते नजर आने लगे। भगवान इन्द्र घबरा कर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है।

इतिहास में कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी। श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी में से एक टुकड़ा बांध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट में सहायता करने का वचन दिया था। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है।

कथा कुछ इस प्रकार है, दानवेन्द्र राजा बलि ने जब १०० यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राम्हण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है। कहते हैं एक बार बलि रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रुप में अवतार लेकर वेदों को ब्रम्हा के लिये फिर से प्राप्त किया था। भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

ऐतिहासिक प्रसंग

राजपूत जब लड़ाई पर जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम तिलक लगाने के साथ-साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। राखी के साथ एक और प्रसिद्ध कहानी जुड़ी हुई है। कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत: उसने मुगल बादशाह हुमायूं को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुंच कर बहादुरशाह के विरुद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की। एक अन्य प्रसंगानुसार सिकन्दर की पत्नी ने अपने पति के हिन्दू शत्रु पुरुवास को राखी बांधकर अपना मुंहबोला भाई बनाया और युद्ध के समय सिकन्दर को न मारने का वचन लिया। पुरुवास ने युद्ध के दौरान हाथ में बंधी राखी और अपनी बहन को दिये हुए वचन का सम्मान करते हुए सिकन्दर को जीवन-दान दिया।

महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब ज्येष्ठ पाण्डव युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर आपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण

को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

साहित्यिक प्रसंग

अनेक साहित्यिक ग्रन्थ ऐसे हैं जिनमें रक्षाबन्धन के पर्व का विस्तृत वर्णन मिलता है। इनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है हरिकृष्ण प्रेमी का ऐतिहासिक नाटक रक्षाबन्धन, जिसका १९९१ में १८वां संस्करण प्रकाशित हो चुका है। मराठी में शिन्दे साम्राज्य के विषय में लिखते हुए रामराव सुभानराव बर्गे ने भी एक नाटक की रचना की जिसका शीर्षक है राखी उर्फ रक्षाबन्धन। पचास और साठ के दशक में रक्षाबन्धन हिंदी फिल्मों का लोकप्रिय विषय बना रहा। ना सिर्फ राखी नाम से बल्कि रक्षाबन्धन नाम से भी कई फिल्में बनायीं गयीं। राखी नाम से दो बार फिल्म बनी, एक बार सन १९४९ में, दूसरी बार सन १९६२ में, सन ६२ में आई फिल्म को ए. भीमसिंह ने बनाया था। कलाकार थे अशोक कुमार, वहीदा रहमान, प्रदीप कुमार और अमिता। इस फिल्म में राजेंद्र कृष्ण ने शीर्षक गीत लिखा था- **राखी धागों का त्यौहार**। सन १९७२ में एस.एम. सागर ने फिल्म बनायी थी राखी और हथकड़ी। इसमें आर. डी.बर्मन का संगीत था। सन १९७६ में राधाकान्त शर्मा ने फिल्म बनाई राखी और राइफल। दारा सिंह के अभिनय वाली यह एक मसाला फिल्म थी। इसी तरह से सन १९७६ में ही शान्तिलाल सोनी ने सचिन और सारिका को लेकर एक फिल्म रक्षाबन्धन नाम की भी बनायी थी।

सरकारी प्रबन्ध

भारत सरकार के डाक-तार विभाग द्वारा इस अवसर पर दस रुपए वाले आकर्षक लिफाफों की बिक्री की जाती हैं। लिफाफे की कीमत ५ रुपए और ५ रुपए डाक का शुल्क। इसमें राखी के त्योहार पर बहनें, भाई को मात्र पांच रुपये में एक साथ तीन-चार राखियां तक भेज सकती हैं। डाक विभाग की ओर से बहनों को दिये इस तोहफे के तहत ५० ग्राम वजन तक राखी का लिफाफा मात्र पांच रुपये में भेजा जा सकता है। जबकि सामान्य २० ग्राम के लिफाफे में एक ही राखी भेजी जा सकती है। यह सुविधा रक्षाबन्धन तक ही उपलब्ध रहती है। रक्षाबन्धन के अवसर पर बरसात के मौसम का ध्यान रखते हुए डाक-तार विभाग ने २००७ से बारिश से खराब न होने वाले वाटरप्रूफ लिफाफे भी उपलब्ध कराये। ये लिफाफे अन्य लिफाफों से भिन्न हैं। इसका आकार और डिजाइन भी अलग है, जिसके कारण राखी इसमें ज्यादा सुरक्षित रहती है। डाक-तार विभाग पर रक्षाबन्धन के अवसर पर २० प्रतिशत अधिक काम का बोझ पड़ता है। अत: राखी को सुरक्षित और तेजी से पहुंचाने के लिए विशेष उपाय किये जाते हैं और काम के हिसाब से इसमें सेवानिवृत्त डाककर्मियों की सेवाएं भी ली जाती है। कुछ बड़े शहरों के बड़े डाकघरों में राखी के लिये अलग से बॉक्स भी लगाये जाते हैं। इसके साथ ही चुनिन्दा डाकघरों में सम्पर्क करने वाले लोगों को राखी बेचने की भी इजाजत दी जाती है, ताकि लोग वहीं से राखी खरीद कर निर्धारित स्थान को भेज सकें।

राखी और आधुनिक तकनीकी माध्यम

आज के आधुनिक तकनीकी युग एवं सूचना सम्प्रेषण युग का प्रभाव राखी जैसे त्योहार पर भी पड़ा है। बहुत सारे भारतीय आजकल विदेश में रहते हैं एवं उनके परिवार वाले (भाई एवं बहन) अभी भी भारत या अन्य देशों में हैं। इण्टरनेट के आने के बाद कई सारी ई-कॉमर्स साइट खुल गयी हैं जो ऑनलाइन आर्डर लेकर राखी दिये गये पते पर पहुंचाती है। इसके अतिरिक्त भारत में २००७ राखी के अवसर पर इस पर्व से सम्बन्धित एक एनीमेटेड सीडी भी आयी है। जिसमें एक बहन द्वारा भाई को टीका करने व राखी बांधने का चलचित्र है। यह सीडी राखी के अवसर पर अनेक बहनें दूर देश में रहने वाले अपने भाइयों को भेज सकती हैं।

जैन मतानुसार रक्षाबंधन

इस दिन बिष्णुकुमार नामक मुनिराज ने ७०० जैन मुनियों की रक्षा की थी। जैन मतानुसार इसी कारण रक्षाबंधन पर्व हम सब मनाने लगे व हमें इस दिन देश व धर्म की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए।**साभार : विकिपीडिया**

जन्माष्टमी

कृष्ण जन्माष्टमी, जिसे केवल जन्माष्टमी या गोकुलाष्टमी के रुप में भी जाना जाता है, एक वार्षिक हिंदू त्योहार है जो विष्णुजी के दशावतारों में से आठवें और चौबीस अवतारों में से बाईसवें अवतार श्रीकृष्ण के जन्म का जश्न मनाता है। यह हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार, कृष्ण पक्ष (अंधेरे पखवाड़े) के आठवें दिन (अष्टमी) को भाद्रपद में मनाया जाता है। जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अगस्त या सितंबर के साथ ओवरलैप होता है।

विशेषता

यह एक महत्वपूर्ण त्योहार है, खासकर हिंदू धर्म की वैष्णव परंपरा में। भागवत पुराण (जैसे रास लीला या कृष्ण लीला) के अनुसार कृष्ण के जीवन के नृत्य-नाटक की परम्परा, कृष्ण के जन्म के समय मध्यरात्रि में भक्ति गायन, उपवास, रात्रि जागरण और एक त्योहार अगले दिन जन्माष्टमी समारोह का एक हिस्सा हैं। यह मणिपुर, असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश तथा भारत के अन्य सभी राज्यों में पाए जाने वाले प्रमुख वैष्णव और गैर-सांप्रदायिक समुदायों के साथ विशेष रुप से मथुरा और वृंदावन में मनाया जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी के बाद त्योहार नंदोत्सव होता है, जो उस अवसर को मनाता है जब नंद बाबा ने जन्म के सम्मान में समुदाय को उपहार वितरित किए।

कृष्ण देवकी और वासुदेव आनकदुंदुभी के पुत्र हैं और उनके जन्मदिन को हिंदुओं द्वारा जन्माष्टमी के रुप में मनाया जाता है, विशेष रुप से गौड़ीय वैष्णववाद परंपरा के रुप में उन्हें भगवान का सर्वोच्च व्यक्तित्व माना जाता है। जन्माष्टमी हिंदू परंपरा के अनुसार तब मनाई जाती है जब माना जाता है कि कृष्ण का जन्म मथुरा में भाद्रपद महीने के आठवें दिन की आधी रात को हुआ था।

कृष्ण का जन्म अराजकता के क्षेत्र में हुआ था। यह एक ऐसा समय था जब उत्पीड़न बड़े पैमाने पर था, स्वतंत्रता से वंचित किया गया था, बुराई हर जगह थी, और जब उनके मामा राजा कंस द्वारा उनके जीवन के लिए खतरा था।

भगवान कृष्ण की महानता

कृष्ण भगवान विष्णु जी के अवतार हैं, जो तीन लोक के तीन गुणों सतगुण, रजगुण तथा तमोगुण में से सतगुण विभाग के प्रभारी हैं। भगवान का अवतार होने की वजह से कृष्ण में जन्म से ही सिद्धियां मौजूद थीं। उनके माता पिता वसुदेव और देवकी के विवाह के समय मामा कंस जब अपनी बहन देवकी को ससुराल पहुंचाने जा रहा था तभी आकाशवाणी हुई थी। जिसमें बताया गया था कि देवकी का आठवां पुत्र कंस को मारेगा। अर्थात् यह होना पहले से ही निश्चित था। अत: वसुदेव और देवकी को जेल में रखने के बावजूद कंस कृष्ण को नहीं मार पाया।

मथुरा की जेल में जन्म के तुरंत बाद, उनके पिता वसुदेव आनकदुन्दुभी कृष्ण को यमुना पार ले जाते हैं, ताकि माता-पिता का गोकुल में नंद और यशोदा नाम दिया जा सके। जन्माष्टमी पर्व लोगों द्वारा उपवास रखकर, कृष्ण प्रेम के भक्ति गीत गाकर और रात में जागरण करके मनाई जाती है।

हालांकि श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार व्रत-उपवास तथा जागरण को शास्त्र विरुद्ध साधना कहा है।

अध्याय ६ का श्लोक १६ : भगवान उवाच

न, अति, अश्नत:, तु, योग:, अस्ति, न, च, एकान्तम्, अनश्नत: न, च, अति, स्वप्नशीलस्य, जाग्रत:, न, एव, च, अर्जुन।

हे अर्जुन, यह योग न तो बहुत खाने वाले का, न बिलकुल न खाने वाले का, न बहुत शयन करने के स्वभाव वाले का और न सदा जागने वाले का ही सिद्ध होता है।

मध्यरात्रि के जन्म के बाद, शिशु कृष्ण की मूर्तियों को धोया और पहनाया जाता है, फिर एक पालने में रखा जाता है। इसके बाद भक्त भोजन और मिठाई बांटकर अपना उपवास तोड़ते हैं। महिलाएं अपने घर के दरवाजे और रसोई के बाहर छोटे-छोटे पैरों के निशान बनाती हैं जो अपने घर की ओर चलते हुए, अपने घरों में कृष्ण के आने का प्रतीक माना जाता है।

समारोह

कुछ समुदाय कृष्ण की किंवदंतियों को मक्खन चोर के रुप में मनाते हैं।

हिंदू जन्माष्टमी को उपवास, गायन, एक साथ प्रार्थना करने, विशेष भोजन तैयार करने और साझा करने, रात्रि जागरण और कृष्ण या विष्णु मंदिरों में जाकर मनाते हैं। प्रमुख कृष्ण मंदिर **भागवत पुराण** और **भगवद गीता** के पाठ का आयोजन करते हैं। कई समुदाय नृत्य-नाटक कार्यक्रम आयोजित करते हैं जिन्हें रास लीला या कृष्ण लीला कहा जाता है। रास लीला की परंपरा विशेष रुप से मथुरा क्षेत्र में, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जैसे मणिपुर और असम में और राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में लोकप्रिय है। यह शौकिया कलाकारों की कई टीमों द्वारा अभिनय किया जाता है, उनके स्थानीय समुदायों द्वारा उत्साहित किया जाता है, और ये नाटक-नृत्य नाटक प्रत्येक जन्माष्टमी से कुछ दिन पहले शुरु होते हैं।

महाराष्ट्र

जन्माष्टमी में **गोकुलाष्टमी** के रुप में मुंबई, लातूर, नागपुर और पुणे जैसे शहरों में मनाई जाती है। दही हांडी कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन हर अगस्त/सितंबर में मनाई जाती है। यहां लोग दही हांडी को तोड़ते हैं जो इस त्योहार का एक हिस्सा है। दही हांडी शब्द का शाब्दिक अर्थ है दही का मिट्टी का बर्तन। त्योहार को यह लोकप्रिय क्षेत्रीय नाम शिशु कृष्ण की कथा से मिलता है। इसके अनुसार, वह दही और मक्खन जैसे दुग्ध उत्पादों की तलाश और चोरी करते थे और लोग अपनी आपूर्ति को बच्चे की पहुंच से बाहर छिपा देते थे। कृष्ण अपनी खोज में हर तरह के रचनात्मक विचारों को आजमाते थे, जैसे कि अपने दोस्तों के साथ इन ऊंचे लटकते बर्तनों को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाना। यह कहानी भारत भर में हिंदू मंदिरों के साथ-साथ साहित्य और नृत्य-नाटक प्रदर्शनों की कई राहतों का विषय है, जो बच्चों की आनंदमय मासूमियत का प्रतीक है, कि प्रेम और जीवन का खेल ईश्वर की अभिव्यक्ति है।

महाराष्ट्र और भारत के अन्य पश्चिमी राज्यों में, इस कृष्ण कथा को जन्माष्टमी पर एक सामुदायिक परंपरा के रुप में निभाया जाता है, जहां दही के बर्तनों को ऊंचे डंडे से या किसी इमारत के दूसरे या तीसरे स्तर से लटकी हुई रस्सियों से ऊपर लटका दिया जाता है। वार्षिक परंपरा के अनुसार, **गोविंदा** कहे जाने वाले युवाओं और लड़कों की टीमें इन लटकते हुए बर्तनों के चारों ओर नृत्य और गायन करते हुए जाती हैं, एक दूसरे के ऊपर चढ़ते हैं और एक मानव पिरामिड बनाते हैं, फिर हांड़ी को तोड़ते हैं। गिराई गई सामग्री को प्रसाद के रुप में माना जाता है। यह एक सार्वजनिक तमाशा है, सामुदायिक कार्यक्रम के रुप में उत्साहित और स्वागत किया जाता है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, २०१४ में अकेले मुंबई में ४,००० से अधिक हांडी पुरस्कारों से लबरेज थे, और गोविंदा की कई टीमों ने भाग लिया था।

गुजरात और राजस्थान

गुजरात के द्वारका में लोग - जहां माना जाता है कि कृष्ण ने अपना राज्य स्थापित किया था। दही हांडी के समान एक परंपरा के साथ त्योहार मनाते हैं, जिसे माखन हांडी (ताजा मथने वाले मक्खन के साथ बर्तन) कहा जाता है। अन्य लोग मंदिरों में लोक नृत्य करते हैं, भजन गाते हैं, कृष्ण मंदिरों जैसे द्वारकाधीश मंदिर या नाथद्वारा जाते हैं। कच्छ जिले के क्षेत्र में, किसान अपनी बैलगाड़ियों को सजाते हैं और सामूहिक गायन और नृत्य के साथ कृष्ण जुलूस निकालते हैं। वैष्णववाद के पुष्टिमार्ग के विद्वान दयाराम की कार्निवल-शैली और चंचल कविता और रचनाएं, गुजरात और राजस्थान में जन्माष्टमी के दौरान विशेष रुप से लोकप्रिय हैं।

उत्तरी भारत

जन्माष्टमी उत्तर भारत के ब्रज क्षेत्र में सबसे बड़ा त्योहार है। मथुरा जैसे शहरों में जहां हिंदू परंपरा कहती है कि कृष्ण का जन्म हुआ था, और वृंदावन में जहां वे बड़े हुए थे। उत्तरप्रदेश के इन शहरों में वैष्णव समुदाय, साथ ही अन्य राज्य राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और हिमालयी उत्तर के स्थानों में जन्माष्टमी मनाते हैं। कृष्ण मंदिरों को सजाया जाता है और रोशनी की जाती है, वे दिन में कई आगंतुकों को आकर्षित करते हैं, जबकि कृष्ण भक्त भक्ति कार्यक्रम आयोजित करते हैं और रात्रि जागरण करते हैं। भोजन और मिठाई बांटते हैं।

त्योहार आम तौर पर वर्षा ऋतु में पड़ता है। फसलों से लदे खेतों और ग्रामीण समुदायों के पास खेलने का समय है। उत्तरी राज्यों में, जन्माष्टमी को रासलीला परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ है **खुशी का खेल** (लीला), सार (रस)। इसे जन्माष्टमी पर एकल या समूह नृत्य और नाटक कार्यक्रमों के रुप में व्यक्त किया जाता है, जिसमें कृष्ण से संबंधित रचनाएं गाई जाती हैं। कृष्ण के बचपन की शरारतें और राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंग विशेष रुप से लोकप्रिय हैं। क्रिश्चियन राय और अन्य विद्वानों के अनुसार, ये राधा-कृष्ण प्रेम कहानियां दैवीय सिद्धांत और वास्तविकता के लिए मानव आत्मा की लालसा और प्रेम के लिए हिंदू प्रतीक हैं। जम्मू में, छतों से पतंग उड़ाना कृष्ण जन्माष्टमी पर उत्सव का एक हिस्सा है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत

जन्माष्टमी व्यापक रुप से पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के हिंदू वैष्णव समुदायों द्वारा मनाई जाती है। इन क्षेत्रों में कृष्ण जन्माष्टमी को मनाने की व्यापक परंपरा का श्रेय १५वीं और १६वीं शताब्दी के शंकरदेव और चैतन्य महाप्रभु के प्रयासों और शिक्षाओं को जाता है। उन्होंने दार्शनिक विचारों के साथ-साथ हिंदू भगवान कृष्ण को मनाने के लिए प्रदर्शन कला के नए रुप विकसित किए। जैसे कि बोर्गेट, अंकिया नाट, सत्रिया और भक्ति योग अब पश्चिम बंगाल और असम में लोकप्रिय हैं। आगे पूर्व में, मणिपुर के लोगों ने मणिपुरी नृत्य रुप विकसित किया। एक शास्त्रीय नृत्य रुप जो अपने हिंदू वैष्णववाद विषयों के लिए जाना जाता है, और जिसमें सत्रिया की तरह रासलीला नामक राधा-कृष्ण की प्रेम-प्रेरित नृत्य नाटक कला शामिल है। ये नृत्य नाट्स कलाएं इन क्षेत्रों में जन्माष्टमी परंपरा का एक हिस्सा हैं, और सभी शास्त्रीय भारतीय नृत्यों के साथ, प्राचीन हिंदू संस्कृत पाठ नाट्य शास्त्र में प्रासंगिक जड़ें हैं, लेकिन भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच संस्कृति संलयन से प्रभावित हैं।

जन्माष्टमी पर, माता-पिता अपने बच्चों को कृष्ण की किंवदंतियों, जैसे कि गोपियों और कृष्ण के पात्रों के रुप में तैयार करते हैं। मंदिरों और सामुदायिक केंद्रों को क्षेत्रीय फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है, जबकि समूह भागवत पुराण और भगवत गीता के दसवें अध्याय का पाठ करते या सुनते हैं।

जन्माष्टमी मणिपुर में उपवास, सतर्कता, शास्त्रों के पाठ और कृष्ण प्रार्थना के साथ मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। मथुरा और वृंदावन में जन्माष्टमी के दौरान रासलीला करने वाले नर्तक एक उल्लेखनीय वार्षिक परंपरा है। मीतेई वैष्णव समुदाय में बच्चे लिकोल सन्नाबागेम खेलते हैं।

ओड़िशा और पश्चिम बंगाल

पूर्वी राज्य ओड़िशा में, विशेष रुप से पुरी के आसपास के क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के नबद्वीप में, त्योहार को श्री कृष्ण जयंती या बस श्री जयंती के रुप में भी जाना जाता है। लोग आधी रात तक उपवास और पूजा कर जन्माष्टमी मनाते हैं। भागवत पुराण कृष्ण के जीवन को समर्पित एक खंड, १०वें अध्याय से पढ़ा जाता है। अगले दिन को **नंदा उत्सव** या कृष्ण के पालक माता-पिता नंदा और यशोदा का खुशी का उत्सव कहा जाता है। जन्माष्टमी के पूरे दिन भक्त उपवास रखते हैं। वे अपने अभिषेक समारोह के दौरान गंगा स्नान राधा माधव से पानी लाते हैं। आधी रात को छोटे राधा माधव देवताओं के लिए एक भव्य अभिषेक किया जाता है, जबकि ४०० से अधिक वस्तुओं का भोजन (भोग) भक्ति के साथ उनके प्रभु को अर्पित किया जाता है।

दक्षिण भारत

गोकुलाष्टमी दक्षिण भारत में बहुत उत्साह के साथ मनाई जाती है। केरल में, लोग मलयालम कैलेंडर के अनुसार सितंबर को मनाते हैं। तमिलनाडु में, लोग फर्श को कोलम (चावल के घोल से तैयार सजावटी पैटर्न) से सजाते हैं। गीता गोविंदम और ऐसे ही अन्य भक्ति गीत कृष्ण की स्तुति में गाए जाते हैं। फिर वे घर की दहलीज से पूजा कक्ष तक कृष्ण के पैरों के निशान खींचते हैं, जो घर में कृष्ण के आगमन को दर्शाता है। भगवद्गीता का पाठ भी एक लोकप्रिय प्रथा है। कृष्ण को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में फल, पान और मक्खन शामिल हैं। कृष्ण की पसंदीदा मानी जाने वाली सेवइयां बड़ी सावधानी से तैयार की जाती हैं। उनमें से सबसे महत्वपूर्ण हैं सीदाई, मीठी सीदाई, वेरकादलाई उरुंडई। यह त्योहार शाम को मनाया जाता है क्योंकि कृष्ण का जन्म मध्यरात्रि में हुआ था। ज्यादातर लोग इस दिन सख्त उपवास रखते हैं और आधी रात की पूजा के बाद ही भोजन करते हैं।

आंध्रपदेश में, श्लोकों और भक्ति गीतों का पाठ इस त्योहार की विशेषता है। इस त्यौहार की एक और अनूठी विशेषता यह है कि युवा लड़के कृष्ण के रुप में तैयार होते हैं और वे पड़ोसियों और दोस्तों से मिलते हैं। विभिन्न प्रकार के फल और मिठाइयां सबसे पहले कृष्ण को अर्पित की जाती हैं और पूजा के बाद इन मिठाइयों को आगंतुकों के बीच वितरित किया जाता है। आंध्रप्रदेश के लोग भी उपवास रखते हैं। इस दिन गोकुलनंदन चढ़ाने के लिए तरह-तरह की मिठाइयां बनाई जाती हैं। कृष्ण को प्रसाद बनाने के लिए दूध और दही के साथ खाने की चीजें तैयार की जाती हैं। राज्य के कुछ मंदिरों में कृष्ण के नाम का आनंदपूर्वक जप होता है। कृष्ण को समर्पित मंदिरों की संख्या कम है। इसका कारण यह है कि लोगों ने मूर्तियों के बजाय चित्रों के माध्यम से उनकी पूजा की जाती है। कृष्ण को समर्पित लोकप्रिय दक्षिण भारतीय मंदिर हैं, तिरुवरुर जिले के मन्नारगुडी में राजगोपालस्वामी मंदिर, कांचीपुरम में पांडवधूथर मंदिर, उडुपी में श्री कृष्ण मंदिर और गुरुवायुर में कृष्ण मंदिर विष्णु के कृष्ण अवतार की स्मृति को समर्पित हैं। किंवदंती कहती है कि गुरुवायुर में स्थापित श्री कृष्ण की मूर्ति द्वारका की है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह समुद्र में डूबी हुई थी। **साभार : विकिपीडिया**

कोरोना काल में टीबी रोग के प्रसार पर नियंत्रण : जिले में ७८३ मरीजों का उपचार शुरु

गोंदिया – कोरोना संक्रमण काल के दौरान प्रतिबंधक उपाय योजना के अंतर्गत मास्क का उपयोग करना, सामाजिक अंतर का पालन करने का लाभ कोरोना के साथ-साथ अन्य बीमारियों पर भी नियंत्रण पाने में सफल हुआ है। इस संक्रमण काल में मास्क का उपयोग व सुरक्षित अंतर रखने के चलते टीबी रोग का प्रसार जिले में कम हुआ है। तथा वर्तमान स्थिति में ७८३ टीबी के मरीजों का उपचार शुरु है। उनमें से ६३८ मरीजों को केंद्र शासन की निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रति माह ५०० रुपये का अनुदान सकस पोषण आहार के लिए दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में इसके पूर्व टीबी रोग का प्रमाण अधिक था तथा राज्य के अन्य जिलों की तुलना में अब भी यह प्रमाण अधिक है। किंतु कोरोना संक्रमण काल के दौरान प्रतिबंधक आवश्यक उपाय योजना प्रत्येक नागरिकों द्वारा किए जाने के चलते इस काल के दौरान टीबी रोग का प्रसार पहले की तुलना में कम हुआ है। कोरोना की पृष्ठभूमि पर अनेक नागरिकों द्वारा उपचार में सावधानी रखने के चलते टीबी रोग से स्वस्थ होने का प्रमाण बढ़ा है। टीबी रोग मरीजों का उपचार व उसका समूल नाश करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जो मरीज उपचार ले रहे हैं उन्हें निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रतिमाह ५०० रुपये अनुदान दिया जा रहा है। उपरोक्त मरीजों को शासन द्वारा दवाइयां निशुल्क दी जाती है। साथ ही मरीजों को दवाइयों के साथ सकस आहार मिले इसके लिए योजना शुरु की गई है। उपरोक्त योजना का लाभ मरीजों को उपचार शुरु होने पर अंत तक दिया जाता है।

२० माह में टीबी रोग मुक्त

टीबी रोग का समय पर उपचार किए जाने पर व मरीज ६ महीने में पूर्ण रुप से ठीक होने की संभावना अधिक है। एमडीआर टीबी नियंत्रण लाने के लिए करीब २८ महीने की समयावधि लगती है। टीबी रोग के लक्षण रात में बुखार आना, १५ दिनों से अधिक समय अवधि तक खांसी, छाती दुखना, खांसी, कफ से रक्त निकलना, वजन कम होना यह टीबी रोग के लक्षण है। इस प्रकार के किसी भी लक्षण सामने आने पर संबंधित व्यक्ति तत्काल अपने थूक की जांच किया जाना आवश्यक है।

–डॉ. राज पराडकर, जिला क्षय रोग अधिकारी, गोंदिया

कुडवा से तिरोडा मार्ग पर होनेवाली समस्या से मिलेगा छूटकारा

जल्द ही निर्माण कार्य होगा शुरु – विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया - नेशनल हाइवे के अंतर्गत आनेवाले कुड़वा से तिरोड़ा रोड के गड्ढे बुझाए जाने के बाद उड़नेवाली धूल से स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों को परेशानी हो रही थी। इस बात की जानकारी मिलते ही विधायक विनोद अग्रवाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर संज्ञान लेते हुए संबंधित राष्ट्रीय महामार्ग के अधिकारियों को इस समस्या का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। कुड़वा से तिरोड़ा मार्ग पर बनने वाली नई सीमेंट रोड का शासकीय एग्रीमेंट भी हो चुका है, इसके कारण ही इस रोड में ज्यादा दुरुस्ती नहीं की जा सकती। फिर भी निवेदन पर धूल से निर्माण हो रही समस्या के लिए टैंकर से पानी डलवाकर और दुरुस्ती कर तात्पूर्ति राहत प्रदान की जाएगी। ऐसा विधायक विनोद अग्रवाल ने वहां के नागरिको को और दुकानदारो को आश्वासन दिया। साथ ही जल्द ही इस समस्या से छूटकारा दिलाने के लिए जल्द ही इस रोड का निर्माण कार्य भी शुरु करवाने हेतु निरंतर पाठपुरावा विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा शुरु है। यह रास्ता नेशनल हाईवे में समाविष्ट किया गया है। रास्ते की हालत काफी खराब हो चुकी है। इसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितीन गडकरी इन्हें पत्र लिखकर रस्ते के निर्माण कार्य के लिए मांग की थी। जिसके निर्माण कार्य को कुछ महीने पूर्व ही मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। इस मार्ग के निर्माण कार्य के लिए विधायक विनोद अग्रवाल राष्ट्रीय महामार्ग के अधिकारीयो के संपर्क में बने हुए है और उन्होंने शीघ्र ही इस रास्ते के निर्माण कार्य को लेकर सकारत्मक प्रतिसाद देते हुए सीमेंट रास्ते का जल्द ही निर्माण किया जायेगा, ऐसा आश्वासन दिया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को दी आदरांजली

गोंदिया – राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मेजर ध्यानचंद को आदरांजली देते हुए उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम युवा एकता क्रीड़ा बहुउद्देशीय संस्था फुलचूर गोंदिया, जिला नेट बॉल एसोसिएशन गोंदिया, नेहरु युवा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में जिला समन्वयक श्रुति डोंगरे, अध्यक्ष कृतुराज यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रुप से नेटबाल के खिलाड़ी, पावर फिटनेस अकादमी से दिनेश बंसोड़, उड़ान अकेडमी से भोजराज रहांगडाले उपस्थित थे। गेम्स स्पोर्ट्स एंड करियर डेवलपमेंट फाउंडेशन के अध्यक्ष मानकर, गोंदिया जिला कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष विशालसिंह ठाकुर, क्रिकेट संघ के अनिल सहारे, मुकेश बाराई, शिव छत्रपती बहुउद्देशीय संस्था के सचिव विनेश फुंडे ने दीप प्रज्वलन एवं पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र ऐमेच्योर नेटबॉल एसोसिएशन के सचिव डॉ. ललित जिवाणी ने संदेश दिया कि खेल हमारे जीवन का एक अंग है। हार-जीत जिंदगी का पड़ाव है। जीतने वाले खिलाड़ी व हारने वाले खिलाड़ी का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। कभी हार से निराश ना होकर सदैव प्रयास करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। व्यसन मुक्त युवा, स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकता है। कृतुराज यादव ने अपने संबोधन में कहा कि खेल के द्वारा आदर्श नागरिक, स्वस्थ शरीर, उच्च नौकरी आदि का लाभ मिलता है तथा हमारी मानसिक एवं शारीरिक क्षमता बढ़ती है। हम सब थोड़ा समय निकाल खेल को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की सफलता के लिए पवन पटले, स्नेहदीप कोकाटे, मोहित पटेल, रुपेश सावरकर, रितेश शेंडे, निशा यादव, निखिल खोबरागडे, परमेश्वर खरे, आकाश सलाम, रिया हीरापूरे, रोशनी शेंडे, प्रियंका राहंगडाले, विजय काबडे, पंकज मेश्राम, संदीप मेश्राम, हर्षल बेसकर, रजत तुरकर, निखिल बरबटे, विशाखा राऊत आदि ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम का आयोजन कोरोना के नियमों का पालन करते हुए संपन्न किया गया।

जनसामान्य की समस्या हेतु सदैव प्रयासरत सांसद अशोक नेते

संवाददाता दरेकसा – भारतीय जनता पार्टी का भेट सम्मेलन कार्यक्रम अतिदुर्गम नक्षलग्रस्त ग्राम टोयागोंदी में नंदकिशोर बनोठे के निवास पर आयोजित किया गया था। इस अवसर पर चिमुर-गड़चिरोली के सांसद अशोक नेते ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र की जनता की सर्व सामान्य समस्या हेतु सदैव प्रयासरत रहूंगा। आगे उन्होंने कहा कि क्षेत्र के बेवारटोला बांध की समस्या को प्राथमिकता दी जाएंगी। केंद्र शासन की जन सामान्य हेतु चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा सामान्य जनता की जो भी समस्या हो वह मुझ तक लिखित रुप में कार्यकर्ता पहुंचाएं, जिससे मुझे निवारण हेतु आसानी होंगी। इसके पश्चात टोयागोंदी से चांदसूरज तक मार्ग का भूमि पूजन किया। आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय पुराम, गुणवंत बिसेन, शंकर मड़ावी, परसराम फुंडे, बाबा लिल्हारे, सरपंच गंगाबाई मडावी, उपसरपंच ललिता बनोठे, मनोज विश्वकर्मा तथा ग्राम के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गोंदिया से बालाघाट व चंद्रपुर की ओर जाने वाली गाड़ियां जल्द शुरु करें

रेलवे सलाहकार समिति ने दिया निवेदन

गोंदिया – कोरोना संक्रमण की मार झेल रहे गोंदिया जिला अब संक्रमण समाप्ति की ओर है। स्थिति में लगातार हो रहे सुधार को देखते हुए प्रशासन द्वारा भी लॉकडाउन में काफी ढील दी गई है। लगभग गत १८ महीने से गोंदिया से गोंदिया से बालाघाट व गोंदिया से चंद्रपुर जाने वाली सभी ट्रेनें बंद है। इस वजह से सामान्य नागरिकों को काफी समय से अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निजी वाहनों द्वारा दोगुनी कीमत देकर मजबूर होकर यात्रा करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर यातायात मुख्य वाणिज्य निरीक्षक अरविंद साहु, प्रबंधक पती, रेलवे अधिकारी सुजीत कुमार की उपस्थिति में रेलवे सलाहकार समिति द्वारा निवेदन दिया गया। जिसमें रेलवे सलाहकार समिति गोंदिया के सूरज नशीनें, दिव्या भगत पारधी, हरिश अग्रवाल, छैलबिहारी अग्रवाल, स्मिता शरणागत, अखिल नायक उपस्थित थे।

महाराष्ट्र ने ९-ए-साइड अंडर २३ क्रिकेट चैंपियनशिप जीती

गोंदिया – ९-ए-साइड क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से ओपन ९-ए-साइड अंडर २३ क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन रोहिणी (दिल्ली) में २४ से २६ अगस्त को किया गया था। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र ने हरियाणा को शिकस्त देकर विजयी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। महाराष्ट्र टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने सारे मैच जीतने का सम्मान भी हासिल किया।

जिसमे महराष्ट्र टीम ने तेलंगाना, मध्यप्रदेश, पंजाब व दिल्ली को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जिसमे महाराष्ट्र टीम के चिन्मय पटेल को बेस्ट बैट्समैन और आर राजेन्द्र को बेस्ट बॉलर के खिताब से नवाजा गया। अक्षय राठोर मैन ऑफ द मैच बने। अतिथियों के हस्ते शानदार ट्रॉफी, गोल्ड मैडल, प्रशस्ति पत्र व ट्रैक सूट देकर सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। टीम के खिलाड़ियों में कार्तिक तुरकर कप्तान, चिन्मय पटेल विकेट कीपर, अक्षय राठौड़, नत्थूसिंह मोहित, सार्थक खोब्रागडे, दानिश मकवाना, आदित्य जैसवाल, पवन बघेले, वीर बागड़े, अमोल जैसवार, राजेन्द्र आर., सचिन के., विपिन चौहान आदि का समावेश था। टीम के कोच मेहबूब पठान मुम्बई, श्रीकांत खोब्रागडे व टीम मैनेजर अनिल सहारे है।

टीम की सफलता पर ९-ए-साइड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष डॉ. विमलेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनय काथवटे, केतन तुरकर, सहसचिव सुरेश चौधरी, अनिल सहारे, अशोक यादव, बाड़ा ठाकरे, अमन चौरसिया, राजेश जांभुलकर, रवि बरापात्रे आदि ने अभिनंदन किया है।

विधायक चंद्रिकापुरे के हस्ते परसटोला स्कूल इमारत के नए कक्ष का भूमि पूजन

संवाददाता - अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले केशोरी जिला परिषद क्षेत्र के ग्राम परसटोला कि जिला परिषद स्कूल की इमारत में नए कक्ष के निर्माण कार्य का भूमि पूजन क्षेत्र के विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे के हस्ते किया गया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच रामोजी कुभरे, योगेश नाकाडे, एफआरटी शहा, कुंडलीक कोवे, युवराज गहाने, भजन शहारे, धनराज नेवारे, ज्ञानेश्वर गेडाम, गोपाल लोथे, गिरिधर रक्षा, प्रीतम रामटेके, विकास रामटेके, प्रणय शेंडे, भूषण शेंडे व गांव के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे।

कुंए में उतरकर किसानों का आंदोलन

२ वर्षों से लाभार्थी किसानों को नहीं मिली धड़क सिंचन विहीर योजना की राशि

गोंदिया जिले में आर्थिक वर्ष २०१९-२० के अंतर्गत शासन की योजना धड़क सिंचन विहीर के अंतर्गत जिले के करीब ५०० किसानों को कुएं के निर्माण हेतु निधि मंजूर की गई थी। किंतु गत २ वर्षों से लाभार्थियों को निधि आबंटित नहीं होने से किसान आर्थिक संकट में जूझ रहे हैं। इसीके चलते सालेकसा तहसील के ग्राम भजेपार में ३० अगस्त को किसानों द्वारा कुएं में उतरकर आंदोलन शुरु किया गया। उपरोक्त आंदोलन किसानों व प्रहार संगठन के संयुक्त तत्वधान में किया जा रहा है। किसानों के इस उग्र आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया।

उल्लेखनीय है कि सालेकसा के कुछ लाभार्थियों किसानों द्वारा इसके पूर्व पत्र परिषद के माध्यम से प्रलंबित निधि की शासन से मांग की थी। साथ ही शासन व प्रशासन को अनेकों बार निवेदन भी दिया गया था। लेकिन किसी भी प्रकार की सुनवाई नहीं होने से किसानों का आक्रोश फूट पड़ा।

विशेष यह है कि इस योजना में लाभार्थी किसानों को कुंए के निर्माण के लिए ढाई लाख रुपए प्राप्त होने हैं। लेकिन शासन द्वारा अब तक एक भी रुपया नहीं दिया गया है। किसानों ने निजी साहूकारों से कर्ज लेकर कुंए का निर्माण किया है। जिससे वे आर्थिक संकट में आ चुके हैं। आंदोलन के दौरान सालेकसा के पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत, पटवारी नागपुरे तथा पंचायत समिति के पदाधिकारियों ने आंदोलनकारियों से भेट कर कुएं से बाहर आकर आंदोलन समाप्त करने की विनती की। लेकिन आंदोलनकारियों ने अपनी मांग रखी कि जब तक जिलाधिकारी गोंदिया आंदोलन स्थल पर आकर समाधान कारक जवाब नहीं देंगे, तब तक आंदोलन शुरु रहेगा।

लोक सेवा आयोग की परीक्षा ४ सितंबर को

गोंदिया – महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से महाराष्ट्र माध्यमिक सर्विस ज्वाइंट प्री-एग्जामिनेशन २०२०आगामी ४ सितंबर २०२१ को एक सत्र में सुबह ११ बजे से दोपहर १२ बजे तक होंगी। जिले के कुल ग्यारह उपकेंद्र होंगे गोंदिया में एसएस गर्ल्स कॉलेज विठ्ठलनगर, एस.एस. अग्रवाल म्युनिसिपल गर्ल्स् हाईस्कूल विठ्ठलनगर, मनोहर म्युनिसिपल हायर सेकेंडरी हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज इंदिरा गांधी स्टेडियम, धोटे बंधु साइंस कॉलेज कुडवा रोड रामनगर, सेंट जेवियर्स हाईस्कूल विजयनगर बालाघाट रोड, बी.एन. आदर्श सिंधी विद्यामंदिर हाईस्कूल मुर्री रोड, गुजराती नेशनल हाईस्कूल रेलटोली, साकेत पब्लिक स्कूल बजाजनगर फुलचुर रोड, विवेक मंदिर स्कूल हरिओम कॉलोनी छोटा गोंदिया, रवींद्रनाथ टैगोर हाईस्कूल रेलटोली, राजस्थान कन्या विद्यालय और जूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स कुष्णपुरा वार्ड में आयोजित की गई।

परीक्षा केंद्र परिसर में प्रवेश करते समय पांच से अधिक व्यक्ति सामूहिक रुप से प्रवेश नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घोषणा नहीं करेंगे। परीक्षा केंद्र परिसर में अभ्यर्थी या अन्य व्यक्ति द्वारा शांति भंग करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्र, पानपट्टी के २०० मीटर के भीतर झेरोक्स, फैक्स सेंटर, टाइपिंग सेंटर, एसटीडी बूथ, पेजर और लाउडस्पीकर आदि समाप्ति तिथि तक बंद रहेगा। परीक्षा केंद्र के आसपास मोबाइल फोन, सेल्युलर फोन, फैक्स, ई-मेल, लैपटॉप, कंप्यूटर और अन्य मीडिया प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। किसी भी व्यक्ति से परीक्षा सुचारु रुप से और शांति के माहौल में कार्य करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगा। परीक्षा केंद्र पर कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति, वाहन को प्रवेश से वंचित कर दिया जाएगा।

इस परीक्षा प्रक्रिया के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। साथ ही कानून और व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से आपराधिक कार्यवाही संहिता १९७३ की धारा १४४ के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश ४ सितंबर, २०२१ को सुबह १० बजे से दोपहर १ बजे तक प्रभावी रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त जिलाधिकारी जयराम देशपांडे ने इसकी जानकारी दी है।

श्री जगदम्बा धाम, दुर्गा चौक, गोंदिया

श्री बालाजी मंदिर, बर्तन लाईन, गोंदिया

श्री अग्रसेन भवन, गोंदिया

श्री हनुमान मंदिर, सिविल लाईन्स, गोंदिया

जागृति सेवा मंडल, रेलटोली, गोंदिया

अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (ईसकान), ब्राम्हण समाज भवन

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार संघ ने तबादले पर किया थानेदार प्रमोद बघेले का सम्मान

सालेकसा पुलिस थाने के थानेदार प्रमोद बघेले का हाल ही तबादला हो चुका है। परंपरा के अनुसार सालेकसा तहसील पत्रकार संघ के तत्वाधान में एक कार्यक्रम के दौरान सम्मान चिन्ह देकर थानेदार प्रमोद बघेले को सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। इस तरह नवनियुक्त थानेदार अरविंद राऊत का भी पुष्पगुच्छ देकर उज्जवल भविष्य की शुभ कामनाओं के साथ संघ की ओर से सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर पत्रकार संघ के अध्यक्ष पवन पाथोड़े, उपाध्यक्ष राहुल हटवार, सचिव सुमित अग्रवाल, सहसचिव गुणाराम मेहर, कोषाध्यक्ष राकेश रोकड़े, सदस्य दिनेश मानकर, प्रकाश टेंभरे, यशवंत शेंडे, संजय बारसे, कृष्णा मेंढे, किशोर वाल्दे, रविकुमार सोनवाने तथा बाजीराव तरोने सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

२९ अगस्त से १२ सितंबर तक जिले में धारा ३७(१)(३) जारी

गोंदिया जिले में २९ अगस्त से १२ सितंबर २०२१ की समयावधि के दौरान विभिन्न पक्ष संघटना द्वारा अपनी प्रलंबित मांगों को लेकर भूख हड़ताल, धरना, मोर्चा, रास्ता रोको, जेल भरो व बंद आदि आंदोलन आयोजित किए जाते हैं। जिस पर नियंत्रण करने तथा कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन द्वारा लगाए गए अनेक प्रतिबंधों में शिथिलता दी गई है। जिससे जिले के स्थानीय बाजारों में नागरिकों की भीडद्ध बढ़ रही है। साथ ही ३० अगस्त को जन्माष्टमी, ६ सितंबर को पोला व १० सितंबर को गणेश चतुर्थी उत्सव प्रारंभ हो रहा है। उपरोक्त उत्सव के दौरान कानून व सुव्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से २९ अगस्त से १२ सितंबर २०२१ तक १९५१ मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा ३७,(१),(३) मनाई आदेश अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी जयराम देशपांडे द्वारा जारी किए गए हैं। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

मधुमक्खी के हमले में जख्मी वृद्ध की उपचार के दौरान मौत

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम सीतेपार निवासी सुखराम मोतीराम कावड़े (७७) पर मधुमक्खी के झुंड ने हमला कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया था। जिसे उपचार के लिए गोंदिया के गणेश नगर स्थित गायत्री चिकित्सालय में दाखिल कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फरियादी डॉ. संजय येड़े गायत्री हॉस्पिटल की ओर से कवलेवाडा निवासी विजय गुणवंत येड़े की सूचना के आधार पर आमगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोना लांजेवर द्वारा की जा रही है।

मवेशियों का अवैध परिवहन

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम सौंदड में आरोपी चालक द्वारा अपने मालवाहक क्रमांक एमएच३६ - एए२४०३ में मवेशियों की किसी भी प्रकार की चारे की व्यवस्था ना कर निर्दयता पूर्वक लाल रंग के ४ व सफद रंग की ६ गाय इस प्रकार १० गाय जिसकी प्रत्येक की कीमत अंदाजन किमत ४००० रुपये तथा एक लाल रंग का गोरा जिसकी अंदाजन कीमत ३००० इस प्रकार कुल ४३००० के मवेशियों का अवैध रुप से परिवहन वाहन जिसकी अंदाजन कीमत ३ लाख रुपये इस प्रकार ३ लाख ४३ का माल जप्त कर फरियादी पोहवा केशव चेटुले की लिखित शिकायत के आधार पर डुग्गीपार पुलिस थाने में धारा ११ (१)(ड) प्रा. नि.छ कानून १९६० सहायक धारा ६, ९ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम १९७६ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा चौधरी द्वारा की जा रही है।

हथियारों के साथ संदिग्ध हिरासत में

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहाडी में आरोपी पर क्रमांक एक से चार यह अपने ओमनी वाहन क्रमांक एमएच४९ बीबी४६९० में गुनाह करने तथा सेंधमारी के उद्देश्य से रात के समय संदेहास्पद स्थिति में दिखाई दिए। जिन्हें हथियारों सहित हिरासत में लिया गया। उपरोक्त मामले में फरियादी पुलिस उपनिरीक्षक विलास जाधव की लिखित शिकायत के आधार पर गोरेगांव पुलिस थाने में धारा १२२ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा वानखेड़े द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय

जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया

मो. : 9405244668, 7670079009

समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

दर्रेकसा प्राथमिक अस्पताल में अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित

प्रशासन की लापरवाही, कार्यवाही की मांग

रवि सोनवाने - सालेकसा तहसील तहत जंगली भू-भाग से आच्छादित पहाड़ी क्षेत्र के नाम से पहचाने जाने वाले अतीदुर्गम तथा नक्सल प्रभावित आदिवासी तथा हाल ही में संपूर्ण गोंदिया जिले तहत सबसे ज्यादा मलेरिया के मरीज पाए जाने वाले दर्रेकसा प्राथमिक अस्पताल में २८ अगस्त को सभी अधिकारी तथा कर्मचारी अनुपस्थित रहने की बात सामने आई है। इसको प्रशासन की घोर लापरवाही का परिणाम बताया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मरीजों का दिन भर आना-जाना लगा रहा। परंतु अस्पताल में कोई चिकित्सक, अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित नहीं होने से आम जनों को स्वास्थ्य लाभ हेतु सालेकसा, आमगांव तथा गोंदिया के चक्कर लगाने पड़े। इस दरमियान उच्चाधिकारियों से संपर्क किया गया, परंतु किसी ने भी फोन पर जवाब नहीं दिया। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अधिकारी तथा कर्मचारियों की तानाशाही किस कदर बढ़ चुकी है। प्राथमिक अस्पताल में पिपरिया, कहाली, निंबा, नगर पंचायत सालेकसा का कुछ भाग, कोसमतर्रा, टोयागोंदी, दर्रेकसा, जमाकुड़ो जैसे अतीसंवेदनशील ग्राम पंचायतों का समावेश है। विशेषकर यहां दर्रेकसा ग्राम पंचायत तहत अतीदुर्गम दंडारी-मुरकुडोह के आमजनों का स्वास्थ्य लाभ हेतु लगभग १५ कि.मी. पैदल आना-जाना होता है। जबकि दंडारी-मुरकुडोह मलेरिया जैसे घातक बीमारी के लिए हाल ही में संवेदनशील घोषित किया गया है। दर्रेकसा जैसे अतीसंवेदनशील क्षेत्र में उच्चाधिकारियों का आना जाना बहुत ही कम होता है। अत: यहां पदस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी अवसर का लाभ लेने नहीं चुकते। अपनी तानाशाही चलाते हुए कार्य करते हैं। मतलब यहां कार्यरत अधिकारी कर्मचारी अपने मर्जी के मालिक बताए गए हैं। बताया गया है कि विगत ११ जुलाई से मलेरिया की रोकथाम हेतु अस्पताल के कार्यक्षेत्र में मच्छरदानी का वितरण शुरु है। परंतु इन्हीं अधिकारियों की तानाशाही की वजह से आज तक आमजनों तक मच्छरदानीयां नहीं पहुंच पाई है। एक दिन वितरण करके दस दिनों का आराम, ऐसा काम यहां चल रहा है। इसी वजह से इस क्षेत्र में मलेरिया पर रोकथाम लगाना मुश्किल हो चुका है। इस सारे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग स्थानिक जनता ने की है।

तहसील मुख्यालय सालेकसा में मानवविकास कार्यक्रम का कैम्प होने से अधिकतर अधिकारी व कर्मचारी कैम्प में उपस्थित थे। कुछ अधिकारी व कर्मचारियों को अस्पताल में रुकने के लिखित निर्देश दिए गए थे। परंतु वे वहां उपस्थित नहीं होने की जानकारी प्राप्त हुई है। इसकी जांच कर दोषियों पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

-डॉ.अमित खोड़नकर, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, सालेकसा

क्षेत्र संवेदनशील होने से इसका पूरा लाभ लेने की कोशिश यहां कार्यरत अधिकारि एंव कर्मचारियों द्वारा की जाती है। जिसका परिणाम यहां की जनता को भुगतना पड़ता है। भविष्य में यहां कोई अनहोनी न हो इस ओर प्रशासन ध्यान दे। अन्यथा स्थानिक जनता को इसके खिलाफ सड़क पर उतरने को मजबूर होना पड़ेगा।

-ओमप्रकाश लिल्हारे, महासचिव, जिला युवक कांग्रेस, टोयागोंदी

आसमानी बिजली गिरने से मृतक के परिजनों को

विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते ४ लाख का सौंपा गया चेक

गोंदिया - ग्राम चुटिया निवासी सोमलाल सोनू टेंभरे की २ माह पूर्व खेत में काम करते वक्त आसमानी बिजली गिरने से घटनास्थल पर ही आकस्मिक मौत हो गई थी। जिसकी सुचना विधायक विनोद अग्रवाल को मिलते ही मृतक के परिवार को सांत्वना भेट देकर संबधित घटना की सूचना प्रशासन को देकर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा करवाकर उन्हें सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया था। सोमलाल सोनू टेंभरे इन पर परिवार की संपुर्ण बागडोर उनके हाथ में थी और परिवार के मुख्य सदस्य थे। उनकी घटनास्थल पर मौत होने से उनका परिवार पर दु:ख का पहाड़ टूट पड़ा था। मृतक के परिवार को सांत्वना देने हेतु रोहित अग्रवाल ने भी उनके घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना दी और घटनास्थल पर जांच हेतु उन्होंने संबधित विभाग को इसको सुचना दी थी। अचानक उनके मृत्यु से होने से टेंभरे परिवार को काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ा। परिवार को होनेवाले दु:ख के

विधायक विनोद अग्रवाल निशब्द थे और ना ही अचानक मिले उनके दु:ख को मिटाया भी नही जा सकता था। परंतु परिवार की सांत्वना और आर्थिक दृष्टी के तौर पर उन्हें सरकार से आर्थिक मदद दिलाने हेतु विधायक विनोद अग्रवाल निरंतर प्रयासरत रहे और उनके परिवार को ४ लाख की सहायता राशी का चेक सौंपा गया।

इस अवसर पर प्रमुख रुप से नायाब तहसीलदार पालांदूर, नप उपाध्यक्ष शिव शर्मा, पटवारी, रोहित अग्रवाल, कैलाश गजभिये सरपंच चुटिया, अजित टेंभरे उपसरपंच, कैलाश ठाकरे उपसरपंच सिवनी, अंकेश येडे, कपिल राणे ग्राम पंचायत सदस्य चुटिया तथा अन्य ग्राम पंचायत सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

युवा नेता रुपेश मेंढे का राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश

गोंदिया - राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यालय गोंदिया में पुर्व विधायक राजेंद्र जैन के उपस्थिति में कुनबी समाज के युवा नेता रुपेश मेढ़े ने सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व पर विश्वास रखकर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर पुर्व विधायक जैन ने पुष्पगुच्छ व पक्ष का दुप्पटा पहनाकर प्रवेशितों का पक्ष में स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, अशोक सहारे, भगत ठकरानी, विनीत सहारे, केतन तुरकर, चंद्रकुमार चुटे, एकनाथ वहिले, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, सौरभ रोकडे व राका के पदाधिकारी उपस्थित थे।

यूरिया की कालाबाजारी कर रहे दोषियों पर हो कार्यवाही - शेखर सहारे

गोंदिया - खेतों में धान की फसल लहलहा रही है। रोवनी के २१ दिनों के बाद जब किसानों को यूरिया की जरुरत पड़ी तो कीमत सुनकर उनके होश उड़ गए। अधिक कीमत लेने के लिए दुकानदार खाद नहीं होने का बहाना भी बना रहे हैं। दुकानदार किसी तरह यूरिया उपलब्ध कराने को तैयार होकर ऊंची कीमत पर इसकी बिक्री कर रहे हैं। किसान ऊंचे दाम पर यूरिया खरीदने को विवश हैं। कई किसान कालाबाजारी को देखते हुए यूरिया की खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं। खाद के लिए किसान भटक रहे हैं। पूरे जिले में यही स्थिति है। यूरिया के धान के खेतों में प्रयोग करने का समय निकलता जा रहा है। किसानों को जरुरत के अनुरुप खाद नहीं मिल पा रहा है। किसान इसे लेकर चिंतित हैं। समय पर उर्वरकों के प्रयोग नहीं होने से उत्पादन पर विपरीत असर पड़ सकता है। बेहतर फसल के उत्पादन के लिए यूरिया का उपयोग होता हैं। किन्तु कालाबाजारी के कारण किसान मन मारकर यूरिया की खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं। यूरिया की कीमत प्रति बैग २६७ रुपये निर्धारित है। लेकिन दुकानदार २६७ की जगह ४०० से ४५० रुपये प्रति बैग बेच रहे हैं। दुकानदार कह रहे हैं कि वे सभी ऊंची कीमत देकर यूरिया खाद खुद ला रहे हैं। ऐसे में नुकसान का कारोबार वे कैसे कर सकेंगे। यूरिया की कालाबाजारी के खेल में केवल शहरी दुकानदार ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में चोरी-छुपे बगैर लाइसेंस संचालित दुकान वाले भी शामिल हैं। यूरिया खाद घरों में छुपाकर रखा जा रहा है। किसानो को इस वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। इसलिए अर्जुनी के उपसरपंच शेखर सहारे ने जिलाधीश से मांग की है कि किसानो के हक का यूरिया की कालाबाजारी करनेवाले लोगों पर कार्यवाही की जाये, अन्यथा किसानो के हित में तीव्र आन्दोलन किया जायेगा।

बाढ़ से प्रभावितो को गोंदिया शिवसेना जिला प्रमुख ने पहुंचाई रसद

गोंदिया - राज्य के सांगली जिले में मूसलाधार बारिश के चलते अनेक क्षेत्र, गांव बाढ़ के भयंकर प्रकोप से प्रभावित हुए है। अनेक लोगों के इस बाढ़ की चपेट में आने से जान चली गई, वही हजारों फंसे लोगों को बचाने का कार्य किया जा रहा है। बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए तथा राहत सामग्री पहुंचाने शिवसेना के गोंदिया जिला संपर्क प्रमुख नीलेश धुमाल व जिला प्रमुख संजय विभूते के नेतृत्व में शिव सैनिक जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं।

इस नैसर्गिक आपदा पर गोंदिया से शिवसेना जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे ने आगे आकर सांगली में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत व मदद हेतु यहां से चावल की बोरियां भेजकर मदद प्रदान की है। जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे द्वारा भेजी गई रसद सामग्री को सांगली शिवसेना जिला प्रमुख संजय विभूते के सुपुर्द की गई। इस दौरान गोंदिया जिला संपर्क प्रमुख नीलेश धुमाल भी प्रमुखता से उपस्थित होकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।